

प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधा आई?

उत्तर

फातिमा ने जब इस आंदोलन की शुरुआत की तो उसको बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वो इस प्रकार है -

- (i) सर्वप्रथम, फातिमा मुस्लिम परिवार से थी। जो बहुत ही रूढ़िवादी थे। उन्होंने उसके उत्साह को तोड़ने का प्रयास किया।
- (ii) फातिमा के साइकिल चलाने पर उसे फ़ब्तियाँ(गंदी टिप्पणियाँ) सुननी पड़ी।
- (iii) उनके पास साइकिल शिक्षक का अभाव था जिसके लिए उन्होंने स्वयं कमर कस ली और स्वयं साइकिल सिखाना आरम्भ किया।

शीर्षक की बात

आपके विचार से लेखक ने इस पाठ का नाम 'जहाँ पिहया है' क्यों रखा होगा?

उत्तर

लेखक ने इस पाठ का नाम 'जहाँ पहिया है'
तिमलनाडु के पुडुको इई गाँव के 'साइिकल आंदोलन'
के कारण ही रखा होगा। यह नाम इस आंदोलन को
अपना समर्थन देने हेतु ही रखा गया है। बेशक
साइिकल चलाना कोई बड़ी बात नहीं है पर एक
रूढ़िवादी पृष्ठभूमि वाले गाँव में परुषों के विरूद्ध खड़े
होकर 'साइिकल' को अपनी जागृति के लिए चुनना
बहुत बड़ा कदम था इसिलए यह नाम औरतों के इस
साइिकल नवजागरण के प्रति रखा गया होगा।

 अपने मन से इस पाठ का कोई दूसरा शीर्षक सुझाइए। अपने दिए हुए शीर्षक के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर

'महिला विकास की साईकल' की भी इस पाठ के लिए उपयुक्त नाम हो सकता था चूँकि यहाँ महिलाओं ने अपने विकास को प्रदर्शित करने के लिए साईकल का उपयोग किया।

साईकल

 फातिमा ने कहा,"...मैं किराए पर साइकिल लेती हूँ ताकि मैं आज़ादी और खुशहाली का अनुभव कर सकूँ।" साइकिल चलाने से फातिमा और पुडुकोहई की महिलाओं को 'आज़ादी' का अनुभव क्यों होता होगा?
 उत्तर

इसका सबसे बड़ा कारण फातिमा के गाँव की पुरानी रूढ़िवादी परम्पराएँ हैं जहाँ औरतों का साइकिल चलाना उचित नहीं माना जाता था। उनके विरोध में खड़े होकर अपने को पुरुषों की बराबरी का दर्जा देकर स्वयं को आत्मनिर्भर बनाकर फातिमा ने जो कदम उठाया उससे उसने स्वयं को, अपने जैसी अन्य महिलाओं को सम्मान दिया है। उससे आज़ादी का अनुभव करना लाज़मी है। वे कहीं आने-जाने के लिए किसी पर निर्भर नहीं रही।

भाषा की बात

1. उपसर्गों और प्रत्ययों के बारे में आप जान चुके हैं। इस पाठ में आए उपसर्गयुक्त शब्दों को छाँटिए। उनके मूल शब्द भी लिखिए। आपकी सहायता के लिए इस पाठ में प्रयुक्त कुछ 'उपसर्ग' और 'प्रत्यय' इस प्रकार हैं-अभि, प्र, अनु, परि, वि(उपसर्ग), इक, वाला, ता, ना।

उत्तर

<u>उपसर्ग</u>

अभि - अभिमान

प्र - प्रयत्न

अनु - अनुसरण

परि - परिपक्व

वि - विशेष

प्रत्यय

इक - धार्मिक (धर्म + इक)

वाला - किस्मतवाला (किस्मत + वाला)

ता - सजीवता (सजीव + ता)

ना - चढ़ना (चढ़ + ना)

******* END *******